Weekly/ Fortnightly/ Monthly Test on .....

Name: .....

Class & Section: .....

Roll No.: .....

Subject: .....

निम्नलिखित पदों को समस्त पद बनाकर समास की पहचान करें:

1. **नीला है जो कमल**
a) नीलकमल, बहुव्रीहि समास
b) नीलकमल, कर्मधारय समास
c) नीलाकमल, द्विगु समास
d) नीलकमल, अव्ययीभाव समास

2. **भाग्य का विधाता**
a) भाग्य-विधाता, तत्पुरुष समास
b) भाग्यधाता, द्वंद समास
c) भाग्य-विधाता, अव्ययीभाव समास
d) भाग्य-विधाता, कर्मधारय समास

3. **पीला है अंबर जिसका (कृष्ण)**
a) पितांबरी, कर्मधारय समास
b) पीतांबर, बहुव्रीहि समास
c) पीतांबर, कर्मधारय समास
d) पीतांबर, द्विगु समास

4. **पद से मुक्त**
a) पदमुक्त, कर्म तत्पुरुष समास
b) पदामुक्त, करण तत्पुरुष समास
c) पदमुक्त, सम्बन्ध तत्पुरुष समास
d) पदमुक्त, अपादान तत्पुरुष समास

5. **नयन रूपी बाण**
a) नयनबाण, कर्मधारय समास
b) नयनबाण, द्वंद्व समास
c) नयनबाण, अव्ययीभाव समास
d) नयनबाण, द्विगु समास

6. दुःख और दर्द

a) दुःख-दर्द, द्विगु समास
b) दुःख-दर्द, कर्मधारय समास
c) दुःख-दर्द, बहुव्रीहि समास
d) इनमे से कोई नहीं

7. युद्ध के लिए अभ्यास

a) युद्धाभ्यास, अव्ययीभाव समास
b) युद्धाभ्यास, सम्प्रदान तत्पुरुष समास
c) युद्धाभ्यास, अधिकरण तत्पुरुष समास
d) युद्धाभ्यास, द्वंद्व समास

8. विधि के अनुसार

a) यथाविधि, अव्ययीभाव समास
b) यथाविधि, तत्पुरुष समास
c) यथाविधि, बहुव्रीहि समास
d) यथाविधि, नञ समास

9. निशा में विचरण करने वाला, अर्थात राक्षस

a) निशाचर, कर्मधारय समास
b) निशाचर, सम्बन्ध तत्पुरुष समास
c) निशाचर, अपादान तत्पुरुष समास
d) निशाचर, बहुव्रीहि समास

10. नीली है जो गाय

a) नीलगाय, बहुव्रीहि समास
b) नीलगाय, द्विगु समास
c) नीलगाय, कर्मधारय समास
d) नीलगाय, कर्म तत्पुरुष समास

उत्तर एवं स्पष्टीकरण

1. नीलकमल, कर्मधारय समास

पहचान एवं कारण: पूर्व-पद (नील) तथा उत्तर-पद (कमल) में विशेषण-विशेष्य का सम्बन्ध है, इसलिए **'कर्मधारय समास'** (b)

2. भाग्य-विधाता, तत्पुरुष समास

पूर्व-पद (भाग्य) तथा उत्तर-पद (विधाता) के बीच विभक्ति 'का' का लोप हुआ है। इसलिए **'सम्बन्ध तत्पुरुष समास'** (a)

3. पीतांबर, बहुव्रीहि समास

पहचान एवं कारण: पूर्व-पद (पीत, पीला) तथा उत्तर-पद (अम्बर) में कोई भी प्रधान नहीं है, वे दोनों एक तीसरे पद अर्थात ' कृष्ण ' की ओर संकेत कर रहे हैं, इसलिए **'बहुव्रीहि समास'** (b)

4. पदमुक्त, अपादान तत्पुरुष समास

पहचान एवं कारण: पूर्व-पद तथा उत्तर-पद के बीच 'से' विभक्ति का लोप हुआ है, इसलिए **'अपादान तत्पुरुष समास'** (d)

5. नयनबाण, कर्मधारय समास

पहचान एवं कारण: पूर्व-पद (नयन) तथा उत्तर-पद (बाण) के बीच उपमेय-उपमान का सम्बन्ध है। इसलिए "**कर्मधारय समास**" (a)

6. इनमे से कोई नहीं

पहचान एवं कारण: पूर्व-पद तथा उत्तर-पद दोनों ही प्रधान हैं। दोनों के बीच 'और' शब्द लगा हुआ है। इसलिए **'द्वंद्व समास**' (d)

7. युद्धाभ्यास, सम्प्रदान तत्पुरुष समास

पहचान एवं कारण: उत्तर-पद प्रधान है। पूर्व-पद (युद्ध) तथा उत्तर-पद (अभ्यास) के बीच ' के लिए' विभक्ति का लोप हुआ है। इसलिए **' सम्प्रदान तत्पुरुष समास'** (b)

8. यथाविधि, अव्ययीभाव समास

पहचान एवं कारण: पहला पद (यथा) अव्यय है तथा प्रधान पद है। इसलिए **'अव्ययीभाव समास**' (a)

9. निशाचर, बहुव्रीहि समास

पहचान एवं कारण: पूर्व-पद (निशा) तथा उत्तर-पद (चर) में कोई भी प्रधान नहीं है, वे दोनों एक तीसरे पद अर्थात ' राक्षस ' की ओर संकेत कर रहे हैं, इसलिए **'बहुव्रीहि समास'** (d)

10. नीलगाय, कर्मधारय समास

विग्रह: समय के अनुसार

पहचान एवं कारण: पूर्व-पद (नील) तथा उत्तर-पद (गाय) के बीच विशेषण-विशेष्य का सम्बन्ध है, इसलिए **'कर्मधारय समास'** (d)